# शान्ति पथ

IPC
لجنة التعريف بالإسلام
ISLAM PRESENTATION COMMITTEE
جمعية النجاة الخيرية

अपने समाज के गुरूओं तथा श्रृषियों को सब कुछ समझ लिया है। क्या यह सत्य नहीं कि यदि कोई अनाड़ी व्यक्ति किसी मशीन को चलाना शुरू कर दे जो मशीन की मशीनरी का जानकार न हो तो उसे बिगाड़ देगा? यही उदाहरण इस संसार का है, यदि इन्सान उस नियम का पालन करने लगे जो स्वयं इस मशीन के बनाने वाले ने निश्चित किया है तो उसका जीवन सुख और शान्ति से परिपूर्ण हो जाए।

## नियम बनाने का अधिकार किसको?

मानव जीवन के लिए नियम बनाने का अधिकार उसी को है जिसकी नज़र में समस्त मनुष्य एक समान हों लेकिन संसार में कोई मनुष्य ऐसा नहीं जो बेलाग, निष्पक्ष, निःस्वार्थ और मानव दुबर्लताओं से उच्चतर हो इतिहास साक्षी है कि जब मानव ने नियम बनाया तो कहीं जातिवाद के भयंकर परिणाम सामने आए और लोगों को विभिन्न जातियों में बांट दिया गया तो कहीं आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त करने के लिए जंगलों और गुफाओं में जाकर कठोर परिश्रम को श्रेष्ठ समझा गया। आज भी यदि सारे इन्सान ईश्वर के नियम को स्वीकार कर लें तो सब एक हो जाएं क्योंकि ईश्वर की दृष्टि में सारे इन्सान एक समान हैं किसी को जाति और वंश के आधार पर महानता प्राप्त नहीं हो सकती। सुनो अपने ईश्वर की-

**"हे लोगो हमने तुम्हें एक पुरुष और एक स्त्रि से पैदा किया और तुम्हें बिरादरियों और क़बीलों का रूप दिया, ताकि तुम एक दूसरे को पहचानो। वास्तव में अल्लाह के यहां तुममें सबसे अधिक प्रतिष्ठित वह है, जो तुममें सबसे अधिक डर रखता है। निश्चय ही अल्लाह सब कुछ जानने वाला ख़बर रखने वाला है"।** (कुरआन, सूरः हुजरात आयतः13)

## शान्ति किस प्रकार स्थापित हो सकती है?

जब तक मनुष्य को यह विश्वास न हो जाए कि मुझसे ऊपर कोई ऐसा है, जिसको मुझे अपने कर्मों का जवाब देना है उस समय तक यह किसी प्रकार सम्भव नहीं कि शान्ति स्थापित हो सके और ज्ञात है कि ऐसी शक्ति ईश्वर के सिवा और कोई नहीं हो सकती। अतः हम यदि अपनी भलाई चाहते हैं तो ईश्वर पर विश्वास करें और यह समझते हुए जीवन व्यतीत करें कि ईश्वर हमारे छिपे और खुले सब कामों को जानता है और यह संसार परीक्षा-स्थल है एक दिन हमें ईश्वर की अदालत में अपने पूरे जीवन के कामों का हिसाब देना है।

भाइयो! इस संसार में हम सब इसी परीक्षा में पड़े हुए हैं। अब हम में से हर एक व्यक्ति को स्वयं फ़ैसला करना चाहिए कि वह अपने असली मालिक का नमकहलाल अधिकारी बनना पसन्द करता है या नमकहराम। आप अपने फ़ैसले में स्वतंत्र हैं, चाहे यह रास्ता अपनायें चाहे वह।

IPB
دار التعريف بالإسلام
Islam Presentation
Bookshop
للمساهمة معنا في مشروع طباعة الكتب
www.ipc-kw.com
104 داخلي: 2444117 - 2427383
Fahad Salem St. Al-Mulla Saleh Mosque P.O.Box:1613 Safat 13017
Tel.: 2444117 - Fax: 2400057 e-mail:ipb@ipc-kw.com

ईश्वर के नाम से जो अत्यन्त दयावान और कृपाशील है

## पैदा करने वाले का वजूद

यदि आप से एक व्यक्ति कहता है कि इस शहर में एक कारख़ाना है जिसका न कोई मालिक है न कोई इन्जीनियर, न मिस्त्री, सारा कारख़ाना आप से आप क़ायम हो गया है, सारी मशीनें ख़ुद ही बन गई हैं, ख़ुद ही सारे पुर्ज़े अपनी अपनी जगह पर लग भी गए, ख़ुद ही सब मशीनें चल भी रही हैं और ख़ुद ही उन में से अजीब अजीब चीज़ें बन-बन कर निकल भी रही हैं। सच बताइये जो आदमी यह बात आपसे कहेगा क्या आप हैरत से उस का मुख देखने न लगेंगे?

अब विचार कीजिए कि एक कारख़ाने के बारे में आप यह मानने के लिए तैयार नहीं हो सकते कि वह किसी चलाने वाले के बिना चल रहा है तो धरती और आकाश का यह ज़बरदस्त कारख़ाना जो आपके सामने चल रहा है, जिसमें चांद, सूरज और बड़े बड़े नक्षत्र (सय्यारे) घड़ी के पुर्ज़ों के समान चल रहे हैं, आप यह कैसे मान सकते हैं कि यह सब कुछ किसी बनाने वाले के बिना आप से आप बन गया और किसी चलाने वाले के बिना आप से आप चल रहा है?

स्वयं मानव भी कभी तुच्छ वीर्य था,नौ महीने की अवधि में विभिन्न परिस्थितियों से गुज़र कर अत्यन्त तंग स्थान से निकला, उसके लिए मां की छाती में दूध उत्पन्न हो गया, फ़िर कुछ समय के बाद उसे बुद्धि ज्ञान प्रदान किया गया।हमें बताइए कि आख़िर यह सब किसने किया? निश्चय ही आपका उत्तर होगा कि सर्वशक्तिमान ईश्वर ने।

## एकेश्वरवाद

दुनिया में कोई भी काम चाहे छोटा हो या बड़ा, कभी सुव्यवस्थित और नियमित रूप से नहीं चल सकता जब तक कि कोई एक व्यक्ति उसका ज़िम्मेदार न हो। एक स्कूल के दो हेडमास्टर,एक विभाग के दो डायरेक्टर, एक फ़ौज के दो कमान्डर, एक हुकूमत के दो बादशाह कभी आपने सुना है? और यदि कहीं ऐसा हुआ तो क्या आप समझते हैं कि एक दिन के लिए भी प्रबन्ध ठीक हो सकता है?
अब आप सोचिए कि यह करोड़ों सय्यारे जो आपके ऊपर चक्कर लगाते दिखाई देते हैं, यह धरती जिस पर आप रहते हैं, यह चांद जो रातों को निकलता है, यह सूरज जो हर दिन उगता है, क्या इन सब का व्यवस्था से चलना इस बात का प्रमाण नहीं कि इस संसार का प्रभु और शासक केवल एक है?

## ईश्वर है तो देखाई क्यों नहीं देता ?

संसार में विभिन्न चीज़ें हैं जो देखाई नहीं देतीं परन्तु मानव उनके अस्तित्व पर विश्वास करता है जैसे -

(१) एक व्यक्ति जब तक बात करता होता है हमें उसके अन्दर आत्मा के वजूद का पूरा विश्वास होता है लेकिन जब वह ज़मीन पर गिर जाता है, आवाज़ बन्द हो जाती है और शरीर ढीला पड़ जाता है तो हमें उसके अन्दर से आत्मा निकल जाने का पूरा विश्वास हो जाता है हालांकि हमनें आत्मा को निकलते हुए नहीं देखा ।

(२) जब हम घर में बिजली की स्विच आन करते हैं तो पूरा घर प्रकाशमान हो जाता है और हमें प्रकाश के वजूद का पूरा विश्वास हो जाता है। फिर जब उसी स्विच को आफ करते हैं तो प्रकाश चला जाता है हालांकि हमनें उसे आते और जाते हुए अपनी आंखों से नहीं देखा। उसी प्रकार हम हवा के वजूद का केवल अनुभव करते हैं उसे देखते नहीं ।

तात्पर्य यह कि जिस प्रकार आत्मा,बिजली और हवा को देखे बिना उसके वजूद पर हमें पूर्ण विश्वास होता है उसी प्रकार ईश्वर के वजूद की निशानियां पृथ्वी और आकाश बल्कि स्वयं मानव के अन्दर स्पष्ट रूप में विद्यमान हैं और संसार का कण कण ईश्वर का परिचय कराता है।

## इन्सान की तबाही का वास्तविक कारण

आज हम मनुष्यों के जीवन से शान्ति और चैन क्यों विदा हो गया? मनुष्य मनुष्य के लिए भेड़िया क्यों बन गया है? मेरे पास इसका संक्षिप्त उत्तर यह है कि इन्सान अपने पैदा करने वाले को भूल बैठा है, संसार के वास्तविक शासक के विरुद्ध चल रहा है, और जब तक उसे वास्तविकता के अनुसार न बनायेगा कभी चैन न पा सकेगा।

स्वयं आप कल्पना करें कि यदि आप किसी नौकर को वेतन देकर पाल रहे हों तो क्या उस नौकर की अस्ली हैसियत यह नहीं है कि वह आपकी आज्ञा का पालन करे और आपकी इच्छानुसार काम करे? यदि वह आपका काम न कर के किसी दूसरे का काम कर रहा है, या आप के काम के साथ किसी दूसरे का भी काम करता है तो क्या आपको उस नौकर पर क्रोध न होगा? बड़े खेद की बात है कि आज हमने अपने वास्तविक ईश्वर को भूल कर